''दक्षिण भारत से जो हिन्दी-प्रचार हुआ है, उसका सम्बन्ध हिन्दी साहित्य सम्मेलन से हो ही नहीं, ऐसी तो कोई बात नहीं, क्योंकि यह प्रचार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का अविभाज्य अंग है। इस प्रचार की माता या पिता, जो कहो-यह हिन्दी साहित्य सम्मेलन है। यदि ऐसा न माना जाय, तो अब दक्षिण भारत में जो ६,००,००० अहिन्दी भाषी हिन्दी बोल या लिख सकते हैं, वह नामुमकिन बात थी। इस प्रचार के लिए भी धन्यवाद हिन्दी साहित्य सम्मेलन को ही है। इसके लिए मुझे धन्यवाद नहीं दिया जा सकता, क्योंकि इसके लिए मैंने जो कार्य किया था, वह सम्मेलन के सभापति की हैसियत से किया था। उसमें मैं तो कहीं नहीं था। मैं तो इतना कह सकता हूँ कि हिन्दी-प्रचार का यह कार्य सम्मेलन का अविभाज्य अंग है। यदि हिन्दी साहित्य सम्मेलन हिन्दी भाषा का प्रचार न करके केवल साहित्य की वृद्धि करे, तो हिन्दी भाषा राष्ट्रभाषा कैसे बन सकती है।''

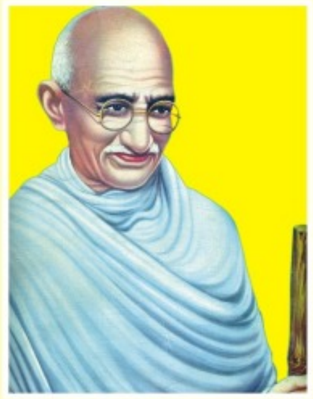

हिन्दी साहित्य सम्मेलन के २४वें इन्दौर अधिवेशन में,
२० अप्रैल, १९३५ को
राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी के विचार

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा ''साहित्यवाचस्पति-सम्मान'' से सम्मानित विद्वत्गण

- डॉ० अजयकुमार पटनायक
- डॉ० सुनील बाबुराव कुलकर्णी
- प्रो० बागीशचन्द्र निर्मल
- प्रो० चक्रधर त्रिपाठी

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा 'सम्मेलन-सम्मान'' से सम्मानित विद्वत्गण

श्री मनमोहन गोयल, श्री शिशिर कुमार पात्र, श्री सुशील कुमार पाढ़ी, श्री चरन सिंह मीना, डॉ० चक्रधर प्रधान, डॉ० मनोजकुमार सिंह, प्रो० हेमराज मीणा, डॉ० मनोहरमयुम यमुना देवी, प्रो० रामकुमार मिश्र, डॉ० मालीपटेल श्रीनिवास राव, प्रो० विभाषचन्द्र झा, डॉ० अखिलेश निगम 'अखिल', डॉ० लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा, डॉ० भगवान त्रिपाठी, डॉ० नवीन नन्दवाना, प्रो० समप्रिया मिश्र

मुद्रक : सम्मेलन मुद्रणालय, प्रयागराज • फोन : ०५३२ -२५६३८७४

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

१२, सम्मेलन मार्ग, प्रयागराज (इलाहाबाद)-२११००३

एवं

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

के संयुक्त तत्वावधान में

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग का

७५वाँ अधिवेशन

एवं

परिसंवाद

२३, २४ एवं २५ जून, २०२४

कार्यक्रम-स्थल

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
पोस्ट-सुनाबेड़ा, ओड़िशा-७६३००४
अकादमिक ब्लाक-३

कार्यक्रम

रविवार, २३ जून, २०२४

सायं ५.०० बजे : अधिवेशन-उद्घाटन

- दीप-प्रज्वलन
- स्वागताध्यक्ष का भाषण
- सम्मेलन के प्रधानमन्त्री का भाषण
- मुख्य अतिथि का उद्घाटन-भाषण
- अधिवेशन के सभापति का भाषण
- धन्यवाद-ज्ञापन

रात्रि ८.०० बजे : सांस्कृतिक कार्यक्रम

सोमवार, २४ जून, २०२४

पूर्वाह्न १०.३० बजे : साहित्यपरिषद् (परिसंवाद)

'भारतीय ज्ञान-परम्परा और हिन्दी'

विषय पर वरिष्ठ विद्वानों द्वारा विचार-विमर्श एवं परिसंवाद

अपराह्ण : ३.०० बजे राष्ट्रभाषापरिषद् (परिसंवाद)

'एक देश : एक राष्ट्रभाषा'

विषय पर विद्वानों पर विचार-विमर्श एवं परिसंवाद

रात्रि ८.०० बजे : 'कवि-सम्मेलन'

मंगलवार, २५ जून, २०२४

पूर्वाह्न १०.३० बजे : समाजशास्त्रपरिषद् (परिसंवाद)

'राष्ट्रीय शिक्षा-नीति : भविष्य का समाज'

विषय पर वरिष्ठ विद्वानों द्वारा विचार-विमर्श एवं परिसंवाद

अपराह्ण : ३.३० बजे खुला अधिवेशन

राष्ट्रभाषा हिन्दी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के उपलक्ष्य में 'साहित्यवाचस्पति' उपाधि-अलंकरण, सम्मेलन-सम्मान तथा प्रस्ताव आदि।

मान्यवर,

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (प्रयागराज) का **७५वाँ (अमृत महोत्सव)** अधिवेशन आगामी **२३, २४ एवं २५ जून, २०२४ को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, पोस्ट-सुनाबेड़ा, ओड़िशा-७६३००४** के प्रांगण में स्थित **अकादमिक ब्लाक-३** में सम्पन्न होगा, जिसमें देश के विभिन्न अंचलों से लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं हिन्दी-सेवी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। त्रिदिवसीय कार्यक्रम में आप सादर आमन्त्रित हैं।

उद्घाटन-समारोह

रविवार, २३ जून, २०२४, सायं ५.०० बजे

मुख्य अतिथि : **प्रो० आर०एस० सर्राजु**
पूर्व प्रति कुलपति- हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद

अधिवेशन सभापति : **प्रो० सुनील बाबुराव कुलकर्णी**
निदेशक-केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

स्वागताध्यक्ष : **प्रो० चक्रधर त्रिपाठी**
कुलपति-ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

साहित्यपरिषद्

सोमवार, २४ जून, २०२४, पूर्वाह्न १०.३० बजे

सभापति : **डॉ० अजयकुमार पटनायक**
पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष-रेवेंशा कॉलेज, कटक

राष्ट्रभाषापरिषद्

सोमवार, २४ जून, २०२४, अपराह्ण ३.०० बजे

सभापति : **प्रो० एस०एम० इक़बाल**
पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष-आन्ध्रप्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापट्नम

समाजशास्त्रपरिषद्

मंगलवार, २५ जून, २०२४, पूर्वाह्न १०.३० बजे

सभापति : **प्रो० भरतकुमार पण्डा**
शिक्षा-विभाग, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

खुला अधिवेशन एवं सम्मान-समारोह

मंगलवार, २५ जून, २०२४, सायं ३.३० बजे

अध्यक्ष-**प्रो० एन० नागाराजु**, कुलपति-गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, सम्बलपुर (ओड़िशा)

कोरापुट में स्थानीय सम्पर्क-सूत्र :

डॉ० हेमराज मीणा — मो० : 7894870959
डॉ० चक्रधर प्रधान — मो० : 6290339263
डॉ० मनोजकुमार सिंह — मो० : 7908866706

भवदीय
कुन्तक मिश्र
प्रधानमन्त्री
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

सम्पर्क सूत्र-कार्यालय-अधीक्षक : राजकुमार शर्मा, मो० : ६३१३३६८५६८, पवित्र कुमार तिवारी : मो: ९३३६६२१४७३